कुरआन व हदीस से साबित होने वाले

इस्लामी कलमों की किताब

इस्लामी कलमे

लेखक:

नासिर मनेरी

प्रकाशक:

मनेरी फउन्डेशन, इंडिया

मोबाइल न. 8178180399, ई-मेल: nasirmaneri92@gmail.com

इस्लामी कलमे व तर्जमे

पहला कलमा तय्यब :

ला इला-ह इल्लल्लाह, मुहम्मदुर रसूलुल्लाह|

तर्जमा :

अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक़ नहीं, मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) अल्लाह के रसूल हैं|

दूसरा कलमा शहादत :

अश-हदु अल्ला इला-ह इल्लल्लाहु व अशहदु अ-न्न मुहम्मदन अब्दुहू वरसूलुहू|

तर्जमा :

मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक़ नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) अल्लाह के बंदे और रसूल हैं|

तीसरा कलमा तमजीद :

सुब्हानल्लाहि वलहम्दु लिल्हाहि वला इला-ह इल्लल्लाहु वल्लाहु अकबरु वला हौ-ल वला क़ुव्व-त इल्ला बिल्लाहिल अलिय्यिल अज़ीम|

तर्जमा :

अल्लाह सारी बुराइयों से पाक है, सारी ख़ूबियाँ अल्लाह के लिए हैं, अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक़ नहीं, अल्लाह सब से बड़ा है, गुनाह से बचने और नेकी करने की ताक़त अल्लाह ही की तरफ से है जो बुलंद मरतबे वाला और अज़मत वाला है|

चौथा कलमा तौहीद :

लाइला-ह इल्लल्लाहु वहदहू लाशरी-क लहू लहुल मुलकु वलहुल हम्दु युहयी वयुमीतु वहु-व हय्युल लायमूतु अ-बदन अ-बदा ज़ुलजलालि वल-इकराम बियदिहिल ख़ैर वहु-व अला कुल्लि शैइन क़दीर |

तर्जमा :

अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक़ नहीं, वो अकेला है, उस का कोई शरीक नहीं, उसी के लिए बादशाही है, उसी के लिए तारीफ है, वही ज़िंदगी देता है, वही मौत देता है, वो ज़िंदा है कभी नहीं मरेगा, वो अज़मत और बुज़ुर्गी वाला है, उस के क़ब्ज़े में हर तरह की भलाई है, वो हर चीज़ पर क़ुदरत रखने वाला है|

पाँचवाँ कलमा इस्तिग़फ़ार :

अस्तग़फ़िरुल्ला-ह रब्बी मिन कुल्लि ज़मबिन अज़नबतुहू अ-मदन औ ख़-तअन सिर्रन औ अलानियतौं वअतूबु इलैहि मिनज़ ज़मबिल्लज़ी आलमु व मिनज़ ज़मबिल लज़ी ला आलमु इ-न्नक अ-न्त अल्लामुल ग़ुयूबि व सत्तारुल उयूबि व ग़फ़्फ़ारुज़ ज़ुनूबि वला हौ-ल वला क़ु-व्वत इल्ला बिल्लाहिल अलिय्यिल अज़ीम|

तर्जमा :

मैं अल्लाह से बख़शिश चाहता हूँ, जो मेरा रब है, हर उस गुनाह से, जो मैं ने किया, जान कर या बग़ैर जाने, छुप कर या खुले-आम, और मैं अल्लाह की बारगाह में तौबा करता हूँ उस गुनाह से जो मैं जानता हूँ और उस गुनाह से भी जो नहीं जानता| (ऐ अल्लाह!) यक़ीनन तू हर छुपी चीज़ को ख़ूब जानने वाला, ऐबों को छुपाने वाला, और गुनाहों को बख़्शने वाला है, गुनाह से बचने और नेकी करने की ताक़त अल्लाह ही की तरफ से है, जो बुलंद मरतबे वाला और अज़मत वाला है|

छठा कलमा रद्दे कुफ्र :

अल्लाहु-म्म इन्नी अऊज़ु बि-क मिन अन उशरि-क बि-क शैअँव वअ-न आलमु बिही व असतग़फ़िरु-क लिमा ला आलमु बिही तुबतु अन्हु व तबर्रअतु मिनल कुफरि वशिशर्कि वल-किज़बि वल ग़ीबति वल बिदअति वन्नमीमति वल फ़वाहिशि वल बुहतानि वल मआसि कुल्लिहा वअसलमतु व आमन्तु व अक़ूलु ला इला-ह इल्लल्लाहु मुहम्मदुर रसूलुल्लाह|

तर्जमा :

ऐ अल्लाह! यक़ीनन मैं तेरी पनाह चाहता हूँ इस बात से कि मैं जान बूझ कर किसी को

तेरा शरीक ठहराऊँ, और मैं तुझ से बख़शिश चाहता हूँ उस गुनाह से जिसे मैं नहीं जानता, मैं ने उस से तौबा की, और बेज़ार हुआ कुफ़्र, शिर्क, झूठ, ग़ीबत, बुरी बिदअत, चुग़ली, बे-हयाई के कामों, किसी पर तोहमत लगाने और हर तरह की ना-फरमानियों से, और मैं इस्लाम लाया, ईमान लाया और कहता हूँ अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक़ नहीं, मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) अल्लाह के रसूल हैं|

सातवाँ कलमा ईमाने मुजमल :

आमन्तु बिल्लाहि कमा हु-व बिअसमाइही वसिफ़ातिही व क़बिलतु जमी-अ अहकामिही, इक़रारुम बिल्लिसान, व तसदीक़ुम बिल जिनान|

तर्जमा :

मैं ईमान लाया अल्लाह पर जैसा कि वो अपने नामों और अपनी सि-फतों के साथ है, और मैंने उस के सब हुक्मों को क़बूल किया, मुझे इस का ज़बान से इक़रार है और दिल से यक़ीन|

आठवाँ कलमा ईमाने मुफ़स्सल :

आमन्तु बिल्लाहि व मलाइ-कतिही व कुतुबिही व रुसुलिही वल यौमिल आख़िरि वल क़द्रि ख़ैरिही व शर्रिहि मिनल्लाहि तआला वल बअसि बअदल मौत|

तर्जमा:

मैं ईमान लाया अल्लाह पर, उस के फरिशतों पर, उसके रसूलों पर, क़्यामत के दिन पर, और इस बात पर कि तक़दीर की अच्छाई या बुराई अल्लाह की तरफ से है, और मैं इस पर ईमान लाया कि मरने के बाद फिर ज़िंदा होना है|